ग्राम पंचायत मोडी से 17 साल का रिकॉड 'गायब' में जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह का एक्शन

- सीओ को थमाया नोटिस 7 दिन में जांच कर कार्रवाई का दिया आदेश

जावद। नीमच जिले की ग्राम पंचायत मोडी में पंचायत का 17 साल का पूरा अभिलेख रिकॉर्ड रहस्यमय तरीके से गायब होने की शिकायत की गई थी। जिस पर अभी तक कोई कारवाही होते नजर नहीं आ रही है। शिकायत करता करूंलाल राठौड़ ने इस गंभीर मामले को लेकर पंचायत के खिलाफ ही मोर्च खोल रखा है। जिस की शिकायत मुख्यमंत्री मोहन यादव से ले कर सीएम हेल्पलाइफ, कलेक्टर,के बाद अब जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान को की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान ने जनपद सीओ 7 दिन का नोटिस देते हुए जांच कर कारवाही का आदेश दिया।

क्या था पूरा मामला-उपसरपंच राठौड़ ने अपने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था कि ग्राम मोडी पंचायत में 1995 से 2012 तक की अवधि का संपूर्ण दस्तावेज और सार्वजनिक रिकॉर्ड गायब है। उनका आरोप है कि बिना किसी अयोग्य अधिकारी की रिपोर्ट के इन रिकॉर्ड्स को गायब कर दिया गया है और इस संबंध में आज दिनांक तक कोई कारवाही नहीं हुई।

ये रिकॉर्ड हुए गायब-याचिका के अनुसार, गुम हुए अभिलेखों में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ शामिल हैं, जो पंचायत के 'विशेष अधिकार' के अंतर्गत आते हैं।

जिसमें भू-अधिलेख, पट्टा बुक, प्रस्ताव रजिस्टर, उपस्थिति पंजी,ले आउट नक्शा,पंचायत स्वामित्व दुकान, आवंटन प्रोसेसिंग दस्तावेज, प्रस्ताव सहित आवश्यक शासकीय रिकॉर्ड गायब है।

उपसरपंच ने अपनी शिकायत में सबसे गंभीर आरोप लगाया है कि रिकॉर्ड गायब होने का लाभ भू-माफिया उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा की ओर से अपनी ही जमीन पर अपना स्वामित्व सिद्ध नहीं करने का कारण बताया जा रहा है। इसका लाभ यह है कि भू-माफियाओं के खिलाफ पंचायत की जमीनों पर अवैध कब्जा किया जा रहा है और पंचायत में अभिलेखों की कमी पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। वही पंचायत द्वारा वितरित की गई दुकानों का भी कोई रिकॉड उपलब्ध नहीं है।ग्राम पंचायत मोडी से 1995 से लेकर 2012 तक पदस्त रहे रामप्रसाद परमार ने पंचायत में 18 वर्ष पद भार

संभाला था। वही इनके कार्यकाल में आवंटन भूमि पर भूखंड विवादों में कई बार रिकॉर्ड न्यायालय ने तलब किया। पर 2012 में इनका स्थानांतरण केलूखेड़ा हुआ परन्तु शासकीय रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी प्रभारी भार नहीं सौंपा गया। नहीं पूर्व सचिव द्वारा रामप्रसाद परमार ने मोड़ी पंचायत में सार्वजनिक अभिलेख नहीं रहने की सक्षम अधिकारी रिपोर्ट आज तक नहीं दी। 2012 वर्तमान पलराखेड़ा सचिव 2012से 2021तक रहे इनके कार्यकाल में भी भूखंड विवाद उत्पन्न हुए परन्तु तहसील न्यायालय में रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हुआ और ना ही सक्षम अधिकारी रिपोर्ट दी गई। भूखंड विवादों के बाद भी संबंधित सचिव ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया। वही उदासीनता चलते न ही कोई करवाई की।

इस उदासीनता ने वर्ष 2022 में भूमि विवाद ने हिंसक हत्या घटना को जन्म दिया था जबकि दोनों पक्ष के पास उचित दस्तावेज थे परन्तु पंचायत के पास आवंटन भूमि से जुड़े अभिलेख नहीं था।

इस घटना में प्रशासन के द्वारा उचित कारवाई हुई, परन्तु इस घटना को जन्म देने वाले सचिव पर कोई कारवाई नहीं हुई थी। इस घटना के बाद भी प्रशासनिक एवम स्थापना शाखा नीमच की 1995से 2012तक भूमि से जुड़े अभिलेख की जांच हुई थी पर समय के साथ इन जांच फाइल को दबा दिया गया। वही मोड़ी पंचायत की संपति की चार दुकान है यह कब किसको आवंटन हुई कोई लेखा जोखा आज तक नहीं है दबंगों द्वारा अवैध किराए पर दे रखी है कई साल का राजस्व भ्रष्टाचार कर रखा है। इसके भी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है जिसे अभिलेख के अभाव में पंचायत भवन परिसर अपना मूल स्वरूप खो चुका है शासकीय रिकॉर्ड गायब के कारण संस्था अपनी भूमि संपति निर्माण इमारतें नहीं बचा पा रही हैं। जिस पर अभी तक प्रशासन के उच्च अधिकारी आंख मंद कर बैठा है। हत्या जैसी हिंसक घटना के बाद भी आज तक कोई कारवाही नहीं हुआ। अब देखन ये कि क्या प्रशासन के उच्च अधिकार इस पर कोई कार्रवाई करते हैं। पंचायत की संवैधानिक व्यवस्थाओं में हुआ भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई कारवाही होगी या यही भी महज एक कागज का टुकड़ा बन कर रह जाएगा।

इनका कहना है-

ग्राम पंचायत मोडी से 1995 से लेकर 2012 रिकॉड गायब होने की शिकायत प्राप्त हुई है। जिस पर संबंधित अधिकारी जनपद सीओ को नोट्स भेजा गया, 7 दिन में जांच कर कारवाही के आदेश दिए हैं। जल्द ही जांच कर कारवाही की जाएगी। जो भी अधिकारी या कर्मचारी इस अभिलेख को गायब करने के दोषी हैं, उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्जी कर जेल भेजा जाएगा।

सज्जन सिंह चौहान,जिला पंचायत अध्यक्ष

शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस में जांच कर जिला कलेक्टर महोदय को प्रतिवेदन बना कर भेज दिया गया है। जल्द ही कारवाही की जाएगी।

- जनपद सीईओ,जावद

एक नजर में

जनसुनवाई में लगाई गुहार—पैतृक भूमि पर दबंगों के कब्जे, धमकियों और जातिगत उत्पीड़न की शिकायत

नीमच। जिले की जावद तहसील के ग्राम लापिया की आदिवासी महिला सीताबाई पिता किशना भील, हाल मुकाम मोलाना आजाद कॉलोनी नीमच, मंगलवार को कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचीं और अपनी पैतृक कृषि भूमि पर दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे की गंभीर शिकायत दर्ज कराई। सीताबाई ने बताया कि उनकी पैतृक भूमि सर्वे नंबर 62 रकबा 0 .021 हे. और सर्वे नंबर 63 रकबा 1 .055 हे. राजस्व रिकॉर्ड में उनके साथ सहखातेदार बहन घीसीबाई, गीताबाई, पिसरान किशना तथा भतीजी निर्मला के नाम दर्ज है। परिवार लंबे समय से इसी भूमि पर खेती कर आजीविका चलाता है। आरोप है कि गांव के ही रामदयाल गुर्जर और जीतमल गुर्जर ने जबरन जमीन पर पत्थर गड़वाकर बाउंड्री निर्माण कर कब्जा कर लिया है। पीड़िताओं को खेत में प्रवेश करने से रोका जा रहा है और विरोध करने पर जातिगत गालियां व जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं। महिला ने बताया कि दबंगों के खौफ के चलते गांव का कोई भी व्यक्ति उनके समर्थन में आगे आने से डरता है। सीताबाई ने बताया कि इससे पूर्व 02 सितंबर 2025 को भी इस संबंध में शिकायत की गई थी, जिसे तहसीलदार जावद को कार्रवाई के लिए भेजा गया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार बढ़ते दबाव और धमकियों के कारण वे अपनी ही जमीन पर खेती नहीं कर पा रही हैं। पीड़ित महिला ने जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा उपलब्ध कराने, भूमि का वास्तविक कब्जा वापस दिलाने तथा आरोपितों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि वह निडर होकर अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

हाईवे पर हादसा, ट्रैक्टर से गिरे मजदूर की मौत

नीमच। नीमच सिटी थाना क्षेत्र के मालखेड़ा फंटा हाईवे पर सोमवार रात एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय मजदूर किशन पिता बाबूलाल भील की मौत हो गई। वह चित्तौड़गढ़ के अम्बोलिया निवासी था और ट्रैक्टर से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद उसके साथी किशनलाल पिता राजू कुमावत और मालखेड़ा के ग्रामीण विरेन्द्र पाटीदार, दिलीप धाकड़, कुंदन पाटीदार, प्रभुलाल तुरंत मौके पर पहुंचे। किशनलाल अपने साथी के साथ ट्रैक्टर लेकर चित्तौड़गढ़ से मंदसौर जिले की पिपलिया मंडी जा रहा था। सोमवार रात मालखेड़ा फंटा हाईवे पर चलते ट्रैक्टर में वह आगे से पीछे बैठने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह असंतुलित होकर नीचे गिर गया और ट्रैक्टर का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को विरेन्द्र पाटीदार के वाहन से सोमवार रात ही जिला चिकित्सालय नीमच पहुंचाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान सोमवार रात लगभग 9 बजे गंभीर चोटों के कारण किशनलाल की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस देर रात जिला चिकित्सालय पहुंची और मृतक के परिजनों को सूचित किया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को नीमच जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंपा जाएगा।

कलेक्टर ने झांझरवाडा की आंगनवाड़ी में बच्चों के बीच बैठकर उन्हें पढ़ाया

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जिले में आंगनवाडी केद्रों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा के माडल के रूप में विकसित करने के लिए चलाए जा रहे हमारी आंगनवाडी, पोषण भी पढाई भी अभियान के तहत आंगनवाडी केंद्र झांझरवाडा का निरीक्षण कर आंगनवाडी में बच्चों को दी जा रही शाला पूर्व शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। कलेक्टर ने इस निरीक्षण के दौरान आंगनवाडी में बच्चों के बीच बैठकर उनसे वर्कबुक में अक्षरज्ञान, अंक ज्ञान, चित्र ज्ञान, फलों के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने आंगनवाडी के छोटे-छोटे बच्चों से गिनती व ए.बी.सी.डी.पढवाकर उनके शैक्षणिक स्तर को परखा और आंगनवाडी केंद्र में बच्चों को दी जा रही अर्ली चाईल्ड केयर एज्युकेशन की सराहना की। कलेक्टर ने बच्चो से गिनती पूछे तो नन्ही बालिका शिवानी ने उन्हें बीस तक की गिनती बताई। फलो के नाम बताए और पोयम भी सुनाई। इस मौके पर एसडीएम श्री संजीव साहू, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पण्ड्या एवं परियोजना अधिकारी श्री ईरफान अंसारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने आंगनवाडी केंद्र के निरीक्षण दौरान झांझरवाडा की आंगनवाडी में बच्चों के लिए दो छोटी टेबल एवं कुर्सियां उपलब्ध कराने की बात कही। साथ ही आंगनवाडी केंद्र भवन की मरम्मत, रंगाई, पुताई, खिडकियों में मच्छर जाली लगवाने, पंखे लगाने के निर्देश भी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को दिए।

कलेक्टर ने झांझरवाड़ा में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-केवायसी कार्य का लिया जायजा

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को ग्राम झांझरवाड़ा में भ्रमण दौरान किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कार्य आधार आर.ओ.आर. लिंकिंग, खसरा ई-केवायसी कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होने पटवारी द्वारा खातेदारों के ई-केवायसी कार्य की प्रगति का जायजा लिया और फार्मर रजिस्ट्री एवं खसरा, ई-केवायसी कार्य में आ रही समस्याओं के संबंध में पटवारी से जानकारी ली। इस मौके पर एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार संतोष कुमार व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आइएएस अधिकारी की कथित टिप्पणी के विरोध में ब्राह्मण समाज ने किया पुतला दहन, रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

मनासा। मध्यप्रदेश में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ब्राह्मण समाज की बहन-बेटियों को लेकर आईएएस संतोष वर्मा द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में शनिवार को सकल ब्राह्मण समाज एवं परशुराम सेना ने करगिल चौराहे पर उनका पुतला दहन किया। इसके बाद समाजजन रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

दोपहर एक बजे बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाजजन करगिल चौराहे पर एकत्रित हुए। हाथों में 'बहन-बेटी के सम्मान में ब्राह्मण समाज मैदान में', 'आईएएस संतोष वर्मा मुर्दाबाद', 'संतोष वर्मा को बर्खास्त करो' जैसे नारे लिखी तख्तियां लिए समाजजन रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे। वहाँ एसडीएम किरण आंजना को सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि अधिकारी द्वारा की गई कथित टिप्पणी न केवल निंदनीय है, बल्कि सिविल सेवा आचरण नियम 1968 का भी उल्लंघन करती है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि ऐसे बयान जातिगत तनाव, वैमनस्य और सामाजिक कटुता को बढ़ावा देते हैं, जिससे ब्राह्मण समाज ही नहीं बल्कि सर्व समाज में आक्रोश व्याप्त है। समाजजन ने मांग की कि संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें पद से बर्खास्त किया जाए, गिरफ्तारी कर कठोर दंड दिया जाए तथा उनकी संपत्तियों की जांच की जाए। ज्ञापन का वाचन संरक्षक सुनील यजुर्वेद ने किया और आभार परशुराम सेना के अध्यक्ष मोहित जोशी ने माना।

जनसुनवाई में अजीज बेग को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

- दिव्यांग वसीम को स्वरोजगार के लिए आटो रिक्शा उपलब्ध कराया जाएगा
- कलेक्टर ने की जनसुनवाई -76 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई की। कलेक्टर ने सिफाई मोहल्ला मनासा निवासी अजीज पिता शफी बेग के आवेदन पर उसे स्वरोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश महाप्रबंधक उद्योग को दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर ने बघाना निवासी दिव्यांग वसीम अकरम को सीएसआर मद से स्वरोजगार के लिए आटो रिक्शा उपलब्ध कराने के निर्देश उप संचालक सामाजिक न्याय नीमच को दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 76 आवेदकों की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए है। जनसुनवाई में जि.प.सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश व जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में पुरानी न.पा.ब.न.60 निवासी राजेश सैनी को खाद्यान्न पात्रता पर्ची बनाने के निर्देश भी एसडीएम नीमच व जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए। उन्होने बिसलवास कला की राधाबाई को उनके बच्चे की अशासकीय स्कूल की फीस, शाला प्रबंधक से चर्चा कर, माफ करवाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी नीमच को दिए है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में गिरदौड़ा के किशन सिह राजपूत के आवेदन पर मकान को धोके से खरीदने वालों से पूरी कीमत दिलाने के निर्देश तहसीलदार नीमच को दिए है। जनसुनवाई में जीरन के नरेन्द्र कुमार, रावणरूण्डी के सुरजमल, गिरदौड़ा की सीताबाई, बघाना के संजय कुमार, जुना मालाहेडा की बच्चीबाई, महुपुरा मोलकी के सुरेशचंद्र, धनगांव के नाथुलाल, सिंघाडिया पिपलिया की ज्योति, नीमच की रंजना, जमुनिया खुर्द के नानालाल, उम्मेदपुरा के प्रशांत बैरागी, इंदिरा नगर नीमच की लक्ष्मी ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

दूसरी मंजिल पर चढ़ चोरों ने तोड़ा शटर

- फोड़ दिए कांच, दो लाख का माल हुआ पार

नीमच। महू रोड स्थित स्वामी फर्नीचर शोरूम में सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात हुई बड़ी चोरी ने नीमच की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। रात करीब 3 बजे दो नकाबपोश चोर बेखौफ अंदाज़ में शटर और कांच तोड़कर अंदर घुसे और शोरूम में जमकर लूटपाट की। पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में साफ़ कैद हुई है।

अंदर घुसते ही तांडव, 25,000 नकद सहित 1.5 लाख का माल पार- अंदर पहुंचते ही दोनों बदमाशों ने सबसे पहले लॉकर तोड़ा, जिसमें से 25,000 रुपये नकद समेत कुल 1 से 1.5 लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। एलईडी और अन्य कीमती आइटम भी चोरी कर लिए गए। फुटेज में दोनों आरोपी बिना किसी डर, बिना किसी हड़बड़ी के वारदात को अंजाम देते दिखाई देते हैं, जैसे उन्हें किसी का भय ही न हो।

सुबह पहुँचे मालिक के उड़े होश, टूटा लॉकर, बिखरा सामान

सुबह जब दुकान मालिक दीपक गुलाटी शोरूम पहुँचे, तो भीतर का मंजर देख उनके पैरों तले ज़मीन खिसक गई। लॉकर टूटा पड़ा था, सामान बिखरा था और कई इलेक्ट्रॉनिक आइटम गायब थे। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

केंट थाना पुलिस मौके पर पहुँची, लेकिन गश्त पर उठे सवाल-केंट थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और कैमरे के फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। हालांकि, वारदात के समय रात 3 बजे शहर के इस व्यस्त क्षेत्र में पुलिस गश्त की अनुपस्थिति पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

लगातार बढ़ती चोरी से दहशत में नीमच-पिछले कुछ महीनों में नीमच शहर में चोरी की वारदातें तेजी से बढ़ी हैं। अब महू रोड पर हुई इस बड़ी सेंधमारी के बाद व्यापारियों और स्थानीय रहवासियों में गहरी दहशत और नाराज़गी है। लोगों का कहना है कि पुलिस को रात में गश्त बढ़ानी चाहिए और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

इनका कहना

थाना प्रभारी निलेश अवस्थी ने बताया कि सूचना पर केंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची है। पंचनामा बनाया गया है, सीसीटीवी के आधार पर नकाबपोशों को पकड़ने की कवायद जारी है।

थाना प्रभारी निलेश अवस्थी का बयान आया सामने

मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

मनासा। ग्राम चंद्रपुरा में आबादी क्षेत्र के पास 8 फीट का मगरमच्छ देख कर ग्रामीणों ने वनविभाग रामपुरा को सूचना की जिससे रामपुरा वनविभाग टीम ने मौके पर पहुंच 1 घंटे की कड़ी मशक्कत कर मगरमच्छ को सुरक्षित रेस्क्यू कर गांडीसागर डेम में सुरक्षित छोड़ा।

जिला नीमच अंतर्गत आने वाले रामपुरा तहसील के पास ग्राम चंद्रपुरा ग्राम के समीप एक नाले मे उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब वहां अचानक एक विशालकाय 8 फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया. इस बड़े आकार के मगरमच्छ को देखकर स्थानीय लोग दहशत में आ गए. कुछ लोग इस अप्रत्याशित नजारे को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करने लगे, जबकि अन्य लोग खुद को सुरक्षित रखते हुए दूर से ही उस पर नजर रखने लगे वही देर मोके पर वन विभाग टीम ने रेस्क्यू टीम को बुलाकर मगरमच्छ को ग्रामीणों एवं रेस्क्यू टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित गांधीसागर डेम में छोड़ा।

रामपुरा व नीमच की वनविभाग टीम आशीष जी शर्मा डिप्टी रेंजर रामपुरा, प्रेमसिंह नीमच, यूफूफ वनकर्मी 1 चौकीदार रामपुरा एवं ग्राम पंचायत चंद्रपुरा के पूर्व सरपंच दिनेश धनगर एवं ग्रामीणों के सहयोग से सफल रेस्क्यू किया गया।

समग्र पोर्टल की गलती से विधवा महिला संबल योजना से वंचित

- महीनों से भटक रही सीमा गुर्जर ने कलेक्टर से लगाई गुहार

नीमच। सरकारी विभागों की लापरवाही का एक और दर्दनाक मामला सामने आया है। ग्राम ग्वालदेविया की निवासी सीमा गुर्जर पिछले कई महीनों से अपने 3 वर्षीय मासूम बेटे के साथ सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। सीमा के पति प्रहलाद गुर्जर की 27 जनवरी को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी, लेकिन समग्र पोर्टल पर उनकी मृत्यु का कारण सामान्य मृत्यु दर्ज कर दिया गया। इस गंभीर त्रुटि के कारण परिवार मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना से मिलने वाली सहायता राशि से अब तक वंचित है।

सीमा ने बताया कि उन्होंने 26 मार्च को ग्राम पंचायत में आवेदन दिया था। इसके बाद जिले की आईडी पर भी सुधार हेतु प्रस्ताव भेजा गया और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कई महीनों बाद भी रिकॉर्ड में संशोधन नहीं किया गया। एक गलत एंट्री ने पहले से दुखी परिवार पर आर्थिक संकट और गहरा कर दिया है।

सीमा का कहना है कि उनके पति ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। अब गलती सुधारने में हो रही लापरवाही के कारण उन्हें अपने छोटे बच्चे के साथ दर-दर भटकना पड़ रहा है। सीमा के भाई ने भी कहा कि मामला स्पष्ट रूप से सड़क दुर्घटना का है, फिर भी रिकॉर्ड सही करने में अनावश्यक देरी हो रही है।

एक नजर

सुसाइड नोट में लिखा- मेरे मां-पिता को कर रहा था परेशान, परिजनों ने की जांच की मांग

युवक ने फांसी लगाई, 'पुलिसकर्मी' को मौत का ठहराया जिम्मेदार

नीमच। जिले के मनासा थाना क्षेत्र के ग्राम बरडिया जागीर में एक युवक मोहित पाटीदार (18) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद घर से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मोहित ने अपनी मौत के लिए एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों ने इस मामले की तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पुलिसकर्मी पर परेशान करने का लगाया आरोप-सुसाइड नोट में मृतक ने कारू लाल गुर्जर नामक व्यक्ति का जिक्र किया है, जिसने खुद को मनासा थाने में बैठने वाला पुलिसकर्मी बताया था। घटना के समय मोहित घर पर अकेला था; उसकी मां खेत पर फसल काटने गई थीं, पिता एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने बाहर थे, और बड़ा भाई इंदौर में पढ़ाई कर रहा है।

मृतक के मामा धर्मराज पाटीदार ने बताया कि मोहित ने रविवार को ही फोन पर इंस्टाग्राम पर एक युवती से बातचीत होने की जानकारी दी थी। युवती ने खुद को चित्तौड़गढ़ क्षेत्र की बताया था, हालांकि आईडी असली थी या फेक, इसकी पुष्टि नहीं हुई थी।

दो व्यक्तियों पर पैसों की मांग करने का आरोप-मामा के अनुसार, उसी दिन दो व्यक्ति, जिनमें से एक ने खुद को कारूलाल गुर्जर बताते हुए मनासा थाने का पुलिसकर्मी बताया, मोहित के घर आए थे। उन्होंने मोहित का फोन लेकर परिजनों के सामने युवती की इंस्टाग्राम आईडी डिलीट करवाई। परिजनों का आरोप है कि इन दोनों व्यक्तियों ने मोहित और उसके माता-पिता से पैसों की मांग भी की थी।

पीएम के बाद परिजनों को सौंपा गया शव

सूचना मिलते ही मनासा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा बनाया और शव को फंदे से नीचे उतरवाकर मनासा शासकीय चिकित्सालय के पीएम रूम में सुरक्षित रखवाया। मंगलवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी शिव रघुवंशी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला इंस्टाग्राम आईडी से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने पुष्टि की कि सुसाइड नोट में कारू लाल गुर्जर नामक व्यक्ति का जिक्र है, जिसे मनासा थाने में बैठने वाला बताया गया है। हालांकि, मनासा थाने में इस नाम का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

परिजनों को शक है कि यदि इंस्टाग्राम आईडी फेक थी, तो हो सकता है कि मोहित को ब्लैकमेल किया जा रहा हो, जिसके दबाव में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।